



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 384]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 24, 2008/चैत्र 04, 1930

No. 384]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 24, 2008/CHAITRA 04, 1930

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2008

का.आ. 545(अ).—यतः, मैसर्स गैस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (वर्तमान में गेल (इण्डिया) लिमिटेड) द्वारा प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए हजीरा—उरान पाइपलाइन प्रोजेक्ट में एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए भारत सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० 696 तारीख 11 फरवरी, 2002 द्वारा, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और, यतः, भारत सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत सम्बद्ध सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने हेतु चाहिए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन किये जाने का निर्णय लिया था;

और, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार ने पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० 861 (अ) तारीख 29 जुलाई, 2004 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया था;

और, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार ने उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से, भारत सरकार में निहित होने की बजाए, सभी बाधाओं से मुक्त मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड में निहित किया था;

और, यतः, मैसर्स रिलायंस गैस ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आर.जी.टी.आई.एल.), जो कि काकीनाडा—हैदराबाद—उरान—अहमदाबाद गैस पाइपलाइन

बिछा रही है, ने इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार, जो उपरोक्तानुसार मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड में निहित है, को मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड के साथ बांटने की इच्छा जताई है;

और, यतः, मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल की काकीनाडा-हैदराबाद-उरान-अहमदाबाद गैस पाइपलाइन को मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड के पाइपलाइन नेटवर्क से म्हस्कल गांव, कल्याण तालुका, ठाणे जिले स्थित हजीरा-उरान पाइपलाइन इन्जैक्शन फैसिलिटी पर जोड़ने के लिए, मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड ने संलग्न नियम तथा शर्तों के आधार पर, उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार को मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल के साथ बांटने के लिए अपनी सहमति दे दी है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार, जो मैसर्स गेल (इण्डिया) लिमिटेड में निहित किया गया था, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल के द्वारा भी, संलग्न नियम तथा शर्तों के आधार पर उपयोग किया जाएगा।

(अनुसूची एवं नियम तथा शर्तें संलग्न)

अनुसूची

मंडल / तालुका : कल्याण	जिला : ठाणे	राज्य : महाराष्ट्र		
गांव का नाम	सर्वे नं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिये क्षेत्रफल		
		हेक्टर	एयर	सी. एअर
घोटसई	31/पी	00	03	00
	34/पी	00	67	00
म्हसकल	108	01	35	00

[फा. सं. 14014/3/2008-जी पी]

के. के. शर्मा, अवर सचिव

मैसर्स रिलायंस गैस ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा गेल के प्रयोक्ता के अधिकार (आर ओ यू) के उपयोग की शर्तें और निबंधन।

1. पाइपलाइन बिछाने का कार्य ओ आई एस डी मानक 226 व अंतर्राष्ट्रीय मानक ए एस एम ई टी 31.8 के अनुसार होना चाहिए।
2. मौजूदा आर.ओ.यू. गेल के 18 मीटर के आर.ओ.यू. गलियारे में पाइपलाइन बिछाने के लिए खोला जाएगा। सभी संभारतंत्र सहायताएं अनिवार्यतः मैसर्स रिलायंस गैस ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आर.जी.टी.आई.एल) द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी। मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. गेल के आर.ओ.यू. में उनकी पाइपलाइन के टैप ऑफ से मीटरिंग स्टेशन तक लगभग 300 मीटर लम्बी और उनके मीटरिंग स्टेशन से गेल के एस वी-18 तक 100 मीटर

लम्बी पाइपलाइन बिछाएगी। उक्त आर.ओ.यू. में गेल द्वारा भविष्य में कोई अतिरिक्त पाइपलाइन बिछाने हेतु और इसके रख-रखाव के लिए, मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. आर.ओ.यू. में पाइपलाइन बिछाते हुए उचित अन्तर बनाए रखेगी।

3. पाइपलाइन बिछाने के दौरान अधिकार मार्ग में फसलों को हुई क्षति को मैसर्स आर.जी.टी.आई. एल. द्वारा वहन किया जाना अनिवार्य होगा। आर.ओ.यू. से बाहर फसलों/ वृक्षों/ अन्य की क्षति का ध्यान रखना मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. के लिए अनिवार्य होगा।

4. मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. की पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा होने के बाद गेल का आर.ओ.यू. पूर्ववत् सामान्य बना रहना चाहिए और मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. द्वारा आर.ओ.यू. के सभी किसानों से एक अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाएगा।

5. आर.ओ.यू. गलियारे में पाइपलाइन बिछाने के लिए संबंधित प्राधिकारियों से अपेक्षित सांविधिक अनुमतियां मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. द्वारा प्राप्त की जाएंगी।

6. आर.ओ.यू. में क्षतिग्रस्त हुए चाहरदिवारी चिन्हकों/आर.ओ.यू. चिन्हकों/हवाई चिन्हकों/ सी पी परीक्षण केन्द्रों/पाइपलाइन से संबंधित किसी अन्य सहबद्ध उपस्कर का प्रतिस्थापन अनिवार्यतः मैसर्स आर.जी.टी.आई. द्वारा अपनी स्वयं की लागत पर कराया जाएगा। मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. गेल के आर.ओ.यू. के उपयोग के लिए किसानों से समन्वय बनाते हुए सम्बद्ध देयताओं का भुगतान करेगी।

7. मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. अपनी पाइपलाइन अनिवार्यतः खाई खोद कर बिछाएगी, ताकि मौजूदा पाइपलाइन को क्षति न पहुंचे। आर.ओ.यू. में कार्य करते समय उत्पाद सहित मौजूदा पाइपलाइन को हुई कोई भी क्षति/उत्पादन क्षति मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. द्वारा वहन की जाएगी।

8. मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. समानान्तर पाइपलाइनों के लिए अपनी स्वयं की लागत पर सी पी हस्तक्षेप सर्वेक्षण/प्रशमन उपाय करेगी।

9. मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. द्वारा समानान्तर पाइपलाइनों की बान्डिंग गेल से अनुमति प्राप्त करने के बाद की जाएगी।

10. उक्त कार्य करने के लिए मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. द्वारा गेल के संबंधित अधिकारी से आवश्यक अनुमतियां प्राप्त की जाएंगी। अनुमति-पत्र का नवीकरण गेल के स्थल कार्यालय द्वारा यथानिर्देशित अनिवार्यतः किया जाएगा।

11. कार्य, गेल के इंजीनियर और गेल के नामनिर्दिष्ट सुरक्षा अधिकारी की उपस्थिति में किया जाना चाहिए जिसके लिए यथालागू पर्यवेक्षण प्रभार अनिवार्यतः गेल द्वारा संसूचित किए जाएंगे और मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. द्वारा संदेय होंगे।

12. मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. द्वारा पाइपलाइन बिछाए जाते समय सुरक्षा परमिट के साथ आर.ओ.यू. में भारी उपस्करों की आवाजाही प्रतिबंधित है।

13. मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. आर.ओ.यू. के रखरखाव में होने वाली लागत और गैल के आर.ओ.यू. का उपयोग करने हेतु लागत के रूप में गैल को वार्षिक आधार पर वार्षिक पट्टा धनराशि का भुगतान करेगी, जिसकी संसूचना गैल द्वारा मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. को वार्षिक आधार पर दी जाएगी।

14. आर.ओ.यू. में गैल सी पी का रखरखाव करेगी और मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. उसके लिए लागत में हिस्सेदारी करेगी, जिसे किन्हीं अन्य खर्चों के साथ-साथ अनिवार्यतः वार्षिक पट्टा किमया में शामिल किया जाएगा। सी पी तथा अवरोधकों के लिए, मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. उपयुक्त चिन्हक स्थापित करेगी।

15. क्षेत्र में कार्यों के आरम्भ होने से पहले मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. द्वारा अपेक्षित आर.ओ.यू. के समकक्षों (को अर्डीनेट्स) का सत्यापन गैल के स्थल कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

16. आर.ओ.यू. में गैल की मौजूदा अथवा प्रस्तावित पाइपलाइन के सुरक्षण (एलाइनमेंट) व नक्शे की बाबत सभी जानकारी, मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. गैल के स्थल कार्यालय से प्राप्त करेगी।

17. भविष्य में यदि मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. गैल के आर.ओ.यू. गलियारे के भीतर अपने पाइपलाइन तंत्र में कोई अनुरक्षण कार्य करने के लिए आर.ओ.यू. को मुनः खोलना चाहती हो, तो वे अनुमति के लिए गैल से औपचारिक रूप से संपर्क करेंगे तथा गैल द्वारा मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. को सभी लागू प्रक्रियाओं, लागत विवक्षाओं (इम्पलिकेशन्स) अनुमति और अन्य शर्तों एवं निबंधनों की संसूचना दी जाएगी, जो मैसर्स आर.जी.टी.आई.एल. के लिए अनिवार्यतः बाध्यकार होंगी।

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th March, 2008

S.O. 545(E).—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 696 dated 11th February, 2002, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire Rights of Users in lands, specified in the schedule appended to that notification, for the purpose of laying a pipeline under Hazira - Uran Pipeline Project by M/s Gas Authority of India Limited (now GAIL (India) Limited) for transportation of natural gas;

And whereas, Government of India, after considering the reports submitted by the Competent Authority under sub-section (1) of Section 6 of the Act and on being satisfied that the said lands were required for laying the pipeline, decided to acquire the Rights of Users therein;

And whereas, in exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the Act, Government of India declared acquisition of the Rights of Users in lands, specified in the schedule appended to that notification, for laying the pipeline, vide notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O.861(E) dated 29th July, 2004;

And whereas, in exercise of powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the Act, Government of India declared vesting the Rights of Users in the said lands for laying the pipeline in M/s GAIL (India) Limited, instead of Government of India, free from all encumbrances on the date of publication of that declaration;

And whereas, M/s Reliance Gas Transportation Infrastructure Limited (RGTIL), which is laying Kakinada-Hyderabad-Uran-Ahmedabad gas pipeline, intends to share with M/s GAIL (India) Limited the Rights of Users in land, described in the schedule appended to this notification, which has been earlier vested in M/s GAIL (India) Limited as mentioned above;

And whereas, M/s GAIL (India) Limited has consented to the sharing of the Rights of Users in the said land with M/s RGTIL for inter-connecting M/s RGTIL's Kakinada-Hyderabad-Uran-Ahmedabad pipeline with M/s GAIL's pipeline network at M/s GAIL's Hazira - Uran pipeline's injection facility at village Mhaskal, Taluka Kalyan, District Thane on terms and conditions annexed herewith;

Now, therefore, in exercise of powers conferred under sub-section (4) of Section 6 of the Act, Government of India directs that the Rights of Users in the said land, vested earlier in M/s GAIL (India) Limited, would also be used by M/s Reliance Gas Transportation Infrastructure Limited, from the date of publication of this declaration, on the terms and conditions annexed herewith.

(Schedule and Terms & Conditions Annexed)

SCHEDULE

Mandal / Taluka : Kalyan	District: Thane	State: Maharashtra		
Name of Village	Survey No./ Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hectare	Are.	C.Are
Ghotsai	31/P	00	03	00
	34/P	00	67	00
Mhaskal	108	01	35	00

[F. No. 14014/3/2008 -G. P.]

K. K. SHARMA, Under Secy.

Terms and Conditions for utilization of GAIL's RoU by M/s RGTIL

1. Laying of pipelines should conform to OISD Standards 226 and International standard ASME B-31.8.
2. The existing RoU will be opened for laying of pipeline in GAIL's 18 mts RoU corridor. All the logistic supports shall be provided by M/s RGTIL. RGTIL will lay pipeline around 300m from their pipeline tap off to their metering station along GAIL's RoU and lay further 100m line from metering station to GAIL's SV - 18 in GAIL's RoU. RGTIL to maintain suitable distance to enable GAIL to lay additional pipeline, if any, in future and ease of maintenance.
3. Crop damaged in the Right of Way during laying of the pipeline must be borne by M/s RGTIL. Crop / tree/ other damages occurred outside RoU shall be taken care by M/s RGTIL.
4. After completing the laying works of RGTIL's pipeline, GAIL RoU should be made normal again and a 'No Objection Certificate' would be obtained from all the farmers along the RoU by M/s RGTIL.
5. Statutory permissions required from the concerned authorities would be obtained by M/s RGTIL for laying their pipeline along the common RoU corridor.
6. Boundary Markers / RoU markers / Aerial Markers / CP test stations / any other associated equipment related to pipeline damaged along the RoU shall be replaced by M/s RGTIL at their own cost. RGTIL to pay all liabilities and arrange all coordination with farmers etc. arising out of using GAIL's RoU.
7. M/s RGTIL shall lay their pipeline by carrying out trenching manually so as to protect the existing pipeline. Any damages to the existing pipeline including the product / production loss would be borne by M/s RGTIL while carrying out work in common RoU section of pipeline.
8. M/s RGTIL would carry out the CP Interference survey / mitigation measures at their own cost for the parallel pipelines.

9. Bonding of parallel pipelines would be carried out by M/s RGTIL only after obtaining consent from GAIL.
10. Necessary permits would be obtained by M/s RGTIL from the concerned Officer of GAIL for carrying out the work. Permit would be renewed as directed by the GAIL site without failure.
11. The job should be carried out in the presence of GAIL Engineer & GAIL's designated Safety officer, for which supervision charges, as applicable, shall be intimated by GAIL and would be payable by M/s RGTIL.
12. Heavy equipment movement with Safety Permit is restricted along the RoU, while laying the pipeline by M/s RGTIL.
13. M/s RGTIL would pay an annual lease amount to GAIL on yearly basis towards cost involved in RoU maintenance as well as for utilizing GAIL's RoU, which will be intimated by GAIL to M/s RGTIL on annual basis.
14. In common RoU portion, GAIL will maintain the CP and M/s RGTIL would share the cost for the same, which along with any other expenses, shall be included in annual lease rent. M/s RGTIL to install proper markers, boning for requirement of CP and barrier, if any.
15. The co-ordinates of common area of RoU required by M/s RGTIL will be verified by GAIL's Site Office before commencement of jobs at field.
16. For obtaining the exact alignment and drawing of the GAIL's existing/ proposed pipe line in the RoU, RGTIL shall contact the concerned GAIL site office.
17. In future, if M/s RGTIL wants to reopen the RoU for carrying out any maintenance jobs in their pipeline system within GAIL's RoU corridor, they will formally approach GAIL for permission. All applicable procedures, cost implications, permission and other terms and conditions will be conveyed to M/s RGTIL by GAIL, which shall be binding on M/s RGTIL.